

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या: 4474 / VII-1-07 / 51-रिट / 2006
देहरादून : दिनांक: 22 अगस्त, 2007

कार्यालय ज्ञाप

जनपद-बागेश्वर के ग्राम-कुनौली सुनेडा आदि में 8.38 वर्ग किमी० क्षेत्र में खनिज सोपस्टोन के प्रोस्पेक्टिंग कार्य हेतु प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस प्राप्त करने हेतु खनिज परिहार नियमावली, 1960 के प्राविधानों के अन्तर्गत आवेदक श्री इन्द्रपाल सिंह पुत्र सरदूल सिंह, निवासी 145 चन्द्रनगर, लखनऊ द्वारा दिनांक 16.08.1995 को जिलाधिकारी, बागेश्वर कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया।

आवेदक द्वारा अपने उक्त आवेदन पत्र के साथ आवेदित क्षेत्र का भूकर मानचित्र, हाल खसरा, खतौनी, भूस्वामियों की सहमति, 1893 की विज्ञप्ति के अनुसार खसरा आदि अभिलेख प्रस्तुत नहीं किये गये। आवेदन पत्र में पायी गयी कमियों के निराकरण हेतु आवेदिका को जिलाधिकारी, बागेश्वर द्वारा दिनांक 19.10.2001 को पंजीकृत डाक से सूचना प्रसारित की गयी परन्तु आवेदक के स्तर से उक्त कमियों का निराकरण नहीं किया गया और न ही कोई प्रत्युत्तर दिया गया।

उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए आवेदक श्री इन्द्रपाल सिंह के आवेदन पत्र दिनांक 16.08.1995 को शासनादेश संख्या 759/सात/04/120-ख/04, दिनांक 29 दिसम्बर, 2004 द्वारा निरस्त कर दिया गया। उक्त निर्णय को चुनौती देते हुए आवेदक द्वारा रिट याचिका संख्या 455(एम/बी)/2006 मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल में दायर की गयी। श्रीमती डोनिटा व तीन अन्य द्वारा मा० उच्च न्यायालय, नैनीताल में रिट याचिका संख्या 792(एम/बी)/2005 में दिनांक 07.12.2005 को पारित निर्णय के आलोक में पुनः विचार किये जाने के आदेश दिनांक 21.04.2006 को पारित किये गये। श्री इन्द्रपाल सिंह द्वारा मा० उच्च न्यायालय द्वारा दी गयी एक माह की समयसीमा के सापेक्ष नायल धपोला में 71.659 हैक्टेयर भूमि के अभिलेख जिलाधिकारी, कार्यालय बागेश्वर में दिनांक 01.05.2006 को प्रस्तुत में प्रस्तुत किये गये।

प्रश्नगत प्रकरण पर जिलाधिकारी, बागेश्वर से जांच कराए जाने पर स्पष्ट हुआ कि ग्राम नायल धपोला के ग्रामवासियों/खातेदारों को अपनी अनापत्ति दिये जाने हेतु स्थल पर कहा गया, परन्तु कोई भी ग्रामवासी/कारस्तकार उक्त खनन हेतु प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस दिये जाने हेतु अपनी सहमति दिये जाने को सहमत नहीं हैं। अनापत्ति पत्र के क्रमांक-2, 5 एवं 9 पर अंकित श्री बची सिंह पुत्र श्री शेर सिंह, दरबान सिंह पुत्र किशन सिंह, खडक सिंह पुत्र बीर सिंह को दिखाने पर उनके द्वारा उक्त अनापत्ति पत्र पर अपने हस्ताक्षर होने नहीं कहा गया है। क्रमांक-1 एवं 4 पर अंकित व्यक्ति दिल्ली व किच्छा में रहना विदित है। क्रमांक-7 पर अंकित व्यक्ति स्थान गरुड़ में चिकित्सक के पद पर कार्यरत होना बताया गया। क्रमांक-8, 9 व 10 पर अंकित व्यक्तियों के नाम के सामने हस्ताक्षर नहीं हैं। उक्त नामों के आगे अंगूठा निशान है। जिलाधिकारी बागेश्वर के अनुसार भूस्वामियों की अनापत्ति आवेदक के पक्ष में न होने के फलस्वरूप आवेदक द्वारा आवेदित क्षेत्र में प्रोस्पेक्टिंग/खनन कार्य किया जाना संभव नहीं हो सकता।

आवेदक श्री इन्द्रपाल सिंह पुत्र सरदूल सिंह, निवासी 145 चन्द्रनगर, लखनऊ के पक्ष में जनपद बागेश्वर के ग्राम कुनौली सुनेडा में 8.38 वर्ग किमी० क्षेत्रफल के सापेक्ष मा० उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में ग्राम नायल धपोला, तहसील व जिला बागेश्वर के अन्तर्गत 71.659 हैक्टेयर भूमि पर भूस्वामियों की सहमति आवेदक के पक्ष में न होने की दशा में प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु धारणाधिकार का प्रस्ताव खान एवं खनिज विकास

एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 तथा खनिज परिहार नियमावली, 1960 के अनुसार सम्पूर्ण आवेदित क्षेत्रान्तर्गत भूमिधरी के अतिरिक्त राज्य सरकार की भूमि आवेदित न होने के कारण खनिज परिहार नियमावली 1960 के नियम 9(g) के अनुसार अनापत्ति प्राप्त नहीं होने के दृष्टिगत आवेदक का आवेदन पत्र दिनांक 16.08.1995 एतद्वारा निरस्त/अस्वीकृत किया जाता है।

(पी०सी० शर्मा)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: ५५५५ (1)/ VII-1-07/51-रिट/2006, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिलाधिकारी, बागेश्वर।
2. अपर निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून।
3. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना एवं विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. श्री इन्द्रपाल सिंह पुत्र सरदूल सिंह, निवासी 145 चन्द्रनगर, लखनऊ।

आज्ञा से,

(पी०सी० शर्मा)
प्रमुख सचिव।